



हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों का रोजगार अधिनियम, 2020

संदर्भ: पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने राज्य के निवासियों को निजी नौकरियों में 75% आरक्षण देने वाले 2020 के हरियाणा सरकार के कानून को रद्द कर दिया।

- इस कानून का उद्देश्य हरियाणा के निवासियों के लिए निजी क्षेत्र में 75% नौकरी आरक्षण प्रदान करना है।
- अदालत ने इस कानून को संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाला पाया, जबकि सरकार ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 16(4) के आधार पर इसका बचाव किया।
- इस फैसले ने कानून को उसकी शुरुआत से ही अप्रभावी बना दिया।
- राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर करने की इच्छा जताई है।
- **कानून का विवरण:**
 - यह कानून, जिसे हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों का रोजगार अधिनियम, 2020 के रूप में जाना जाता है, नवंबर 2020 में पारित किया गया था।
 - इसने निजी क्षेत्र में 30,000 रुपये से कम मासिक वेतन वाली 75% नौकरियां हरियाणा के निवासियों के लिए आरक्षित कीं।
 - कानून को 2 मार्च, 2021 को राज्यपाल की सहमति मिली और 15 जनवरी, 2022 को लागू किया गया।
- **कानून का प्रभाव क्षेत्र:**
 - यह कानून 10 या अधिक कर्मचारियों वाली कंपनियों, सोसायटी, ट्रस्ट और व्यक्तिगत नियोक्ताओं सहित विभिन्न संस्थाओं को कवर करता है।
 - केंद्र या राज्य सरकारों और उनके संबद्ध संगठनों को कानून से छूट दी गई थी।
- **परिचालन प्रक्रिया:**
 - आरक्षण का लाभ उठाने के लिए, उम्मीदवारों को "हरियाणा राज्य का निवासी" होना होगा और एक निर्दिष्ट ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा।
 - नियोक्ताओं को विशेष रूप से इस पोर्टल के माध्यम से भर्तियाँ करने का आदेश दिया गया था।
- **संविधान में आरक्षण का प्रावधान**
 - अनुच्छेद 15(4): राज्य को सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की उन्नति और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए विशेष प्रावधान बनाने की अनुमति देता है।
 - अनुच्छेद 16(4): राज्य को नागरिकों के किसी भी पिछड़े वर्ग के पक्ष में नियुक्तियाँ या पद आरक्षित करने की अनुमति देता है जिनका राज्य सेवाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है।
 - अनुच्छेद 16(4ए): अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के लिए राज्य के अधीन सेवाओं में पदों की पदोन्नति में आरक्षण प्रदान करता है।
 - अनुच्छेद 16(4बी): राज्य को अगले वर्ष अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने में सक्षम बनाता है।
 - अनुच्छेद 39ए: राज्य को समाज के कमजोर वर्गों के लिए न्याय और मुफ्त कानूनी सहायता सुनिश्चित करने का आदेश देता है।
 - अनुच्छेद 243डी: पंचायती राज संस्थाओं में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के लिए आरक्षण निर्दिष्ट करता है।
 - अनुच्छेद 243T: शहरी स्थानीय निकायों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के लिए आरक्षण निर्दिष्ट करता है।
 - अनुच्छेद 330 और अनुच्छेद 332: संसद और राज्य विधानसभाओं में क्रमशः अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए सीटों के आरक्षण से संबंधित है।

वैश्विक प्रतिभा प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक

संदर्भ: पिछले एक दशक में वैश्विक प्रतिभा प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक में भारत 83वें स्थान से फिसलकर 103वें स्थान पर आ गया है।

- **भारत का पतन:**
 - पिछले दशक में भारत ने जीटीसीआई में 83वें स्थान से 103वें स्थान पर गिरावट का अनुभव किया है।
 - वर्तमान रैंकिंग में भारत को अल्जीरिया (102) और गौतमला (104) के बीच रखा गया है, दोनों को निम्न-मध्यम-आय वाले देशों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- **अन्य देशों से तुलना:**
 - भारत की वर्तमान रैंक जीटीसीआई में मूल्यांकन किए गए देशों के औसत स्कोर से नीचे है।
 - भारत से बेहतर प्रदर्शन करने वाले उल्लेखनीय देशों में रवांडा, पैराग्वे, ट्यूनीशिया, नामीबिया, बोलीविया, घाना, अल साल्वाडोर, गाम्बिया, केन्या, मोरक्को और इस्वातिनी शामिल हैं।
- **सूचकांक विकास:**
 - प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूल इनसीड द्वारा तैयार किया गया जीटीसीआई यह आकलन करता है कि देश और शहर प्रतिभा को कैसे आकर्षित करते हैं, विकसित करते हैं और उन्हें बनाए रखते हैं।
 - इसमें दो प्रमुख उप-सूचकांक शामिल हैं: इनपुट, नियामक और व्यावसायिक वातावरण को मापना, और आउटपुट, प्रतिभा की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना।
 - सूचकांक निर्णय निर्माताओं के लिए वैश्विक प्रतिभा प्रतिस्पर्धात्मकता को समझने और उनकी अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ाने के लिए रणनीति तैयार करने के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करता है।
- **ब्रिक्स प्रदर्शन:**
 - ब्रिक्स समूह के भीतर, भारत सबसे कम जीटीसीआई रैंक रखता है, जिसमें चीन 40वें स्थान पर अग्रणी है, इसके बाद रूस (52), दक्षिण अफ्रीका (68), और ब्राजील (69) हैं।
 - इससे पता चलता है कि भारत अपने ब्रिक्स समकक्षों की तुलना में प्रतिभा प्रतिस्पर्धात्मकता में अद्वितीय चुनौतियों का सामना कर रहा है।
 - इन चुनौतियों का विश्लेषण और समाधान करना भारत के आर्थिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए महत्वपूर्ण है।
- **भारत के पतन के कारण:**
 - रिपोर्ट में जीटीसीआई में भारत की गिरावट का कारण व्यापारिक धारणा में गिरावट को बताया गया है, जिससे प्रतिभा को आकर्षित करने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।
 - समुद्रपारीय देशों (overseas-127वें) और देश के भीतर (129वें) दोनों से प्रतिभा को आकर्षित करने में चुनौतियाँ इस रैंकिंग गिरावट में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।



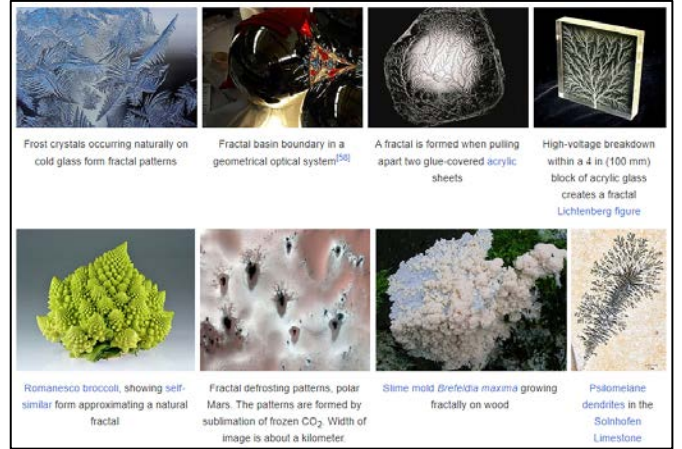


- नकारात्मक प्रवृत्ति के विपरीत प्रभावी रणनीति तैयार करने के लिए इन चुनौतियों के मूल कारणों को समझना आवश्यक है।
- **भारत के लिए सकारात्मक पहलू:**
 - समग्र गिरावट के बावजूद, यह रिपोर्ट जीटीसीआई में वैश्विक ज्ञान कौशल को भारत के सबसे अच्छे प्रदर्शन वाले क्षेत्र के रूप में पहचानती है।
 - यह रिपोर्ट प्रतिभा प्रतिस्पर्धा के कुछ पहलुओं में भारत की ताकत को प्रदर्शित करते हुए नवाचार और सॉफ्टवेयर विकास पर केंद्रित है।
 - इन शक्तियों का लाभ उठाकर समग्र प्रतिभा प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है।
- **अन्य उभरते देशों का प्रदर्शन:**
 - यह रिपोर्ट अन्य उभरते देशों में सुधार को स्वीकार करती है, जिसमें चीन, इंडोनेशिया और मेक्सिको का विशेष उल्लेख किया गया है।
 - इन देशों की सफलता की कहानियों का विश्लेषण प्रभावी प्रतिभा विकास रणनीतियों में अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है।
- **जीटीसीआई में शीर्ष देश:**
 - सिंगापुर, स्विट्जरलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका जीटीसीआई में शीर्ष तीन देशों के रूप में अपना स्थान बनाए हुए हैं।
 - इन अग्रणी देशों की प्रथाओं और नीतियों का अध्ययन उनकी प्रतिभा प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने का प्रयास करने वाले अन्य लोगों के लिए मूल्यवान सबक प्रदान कर सकता है।
 - इन शीर्ष कलाकारों से अंतर्दृष्टि प्राप्त करने से राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी रणनीतियों के विकास की जानकारी मिल सकती है।
- **यूरोपीय प्रभुत्व और एशियाई परिवर्तन:**
 - जीटीसीआई में शीर्ष 25 रैंकिंग में यूरोपीय देशों का प्रभाव कायम है।
 - जापान का शीर्ष 25 से बाहर हो जाना और उसके स्थान पर दक्षिण कोरिया का आगे बढ़ना प्रतिभा प्रतिस्पर्धात्मकता परिदृश्य में विकसित होती गतिशीलता का संकेत देता है।

फ्रैक्टल आयाम और क्वांटम भौतिकी (Fractal Dimensions and Quantum Physics)

संदर्भ: भौतिकविदों ने 1.26 या 1.58 जैसे आयामों में क्वांटम सिस्टम की जांच के लिए फ्रैक्टल ज्यामिति दृष्टिकोण को नियोजित किया।

- अनिश्चितता सभी प्रणालियों की एक अंतर्निहित विशेषता है, जो माप में सटीकता या सटीकता से स्वतंत्र है।
- अनिश्चितता द्वारा लगाई गई अंतर्निहित सीमाओं पर विचार करते हुए, भौतिक विज्ञानी क्वांटम सिस्टम का अध्ययन करने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण तलाशते हैं।
- **फ्रैक्टल**
 - फ्रैक्टल गणित में विशेष आकार होते हैं; जिनमें बहुत छोटे पैमाने पर जटिल विवरण प्रदर्शित होते हैं।
 - ज़ूम इन करने पर भी ये समान पैटर्न दिखाते हैं, चाहे आप उन्हें कितना भी बड़ा करें।
 - नियमित आकृतियों के विपरीत, जब फ्रैक्टल कठोर होता है तो वे सामान्य स्केलिंग नियमों का पालन नहीं करते हैं।
 - किसी नियमित आकृति का आकार दोगुना करने से उसका क्षेत्रफल या आयतन एक निश्चित कारक से बढ़ जाता है, लेकिन फ्रैक्टल किसी एक सरल नियम का पालन नहीं करते हैं।
 - फ्रैक्टल्स में कुछ ऐसी विशेषता होती है जिसे फ्रैक्टल आयाम कहा जाता है, जो मापता है कि वे कैसे बढ़ते हैं साथ ही यह उनकी जटिलता का वर्णन भी करता है।
 - फ्रैक्टल सामान्य आकृतियों से भिन्न होते हैं क्योंकि उनकी स्केलिंग; कुछ मानक नियमों का पालन नहीं करती है।
 - नियमित आकृतियाँ पूर्णांक घातों में मापी जा सकती हैं (जैसे क्षेत्रफल में दोगुना होने वाले वर्ग), लेकिन फ्रैक्टल गैर-पूर्णांक घातों द्वारा मापे जा सकते हैं।
 - फ्रैक्टल ज्यामिति गणित का एक हिस्सा है इसे माप सिद्धांत कहा जाता है, जो फ्रैक्टल में जटिल और स्वयं-दोहराई जाने वाली संरचनाओं को समझने में मदद करता है।
- **गैर-पूर्णांक आयाम - फ्रैक्टल आयाम (Non-Integer Dimensions - Fractal Dimensions):**
 - भौतिक विज्ञानी गैर-पूर्णांक छोटे आयामों के माध्यम से अनिश्चितता पर प्रतिक्रिया करते हैं, जिन्हें फ्रैक्टल आयाम के रूप में जाना जाता है।
 - क्वांटम प्रणाली की आयामीता उसके गुणों का अध्ययन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
 - भ्रम आयाम, जैसे 1.55 या 1.58, एक और दो आयामों के बीच क्वांटम व्यवहार पर एक अद्वितीय परिप्रेक्ष्य प्रदान करते हैं।
- **फ्रैक्टल आयामों में क्वांटम सिस्टम का व्यवहार:**
 - भौतिक विज्ञानी पूर्णांक से परे आयामों में क्वांटम सिस्टम का अध्ययन करने के लिए फ्रैक्टल ज्यामिति दृष्टिकोण का उपयोग करते हैं।
 - उदाहरणों में 1.55 या 1.58 जैसे आयाम शामिल हैं, जो गैर-पूर्णांक आयामों में क्वांटम सिस्टम के व्यवहार की खोज करते हैं।
- **प्रकृति में भंगुरता (Fractality in Nature):**
 - प्रकृति में फ्रैक्टल विशेषता (Fractality) व्यापक रूप में अवस्थित है, जो इसकी एक विशेषता है।
 - यदि छोटे पैमाने के हिस्से बड़े पैमाने के हिस्सों से मिलते जुलते हों तो आकृतियों को फ्रैक्टल माना जाता है।
 - कोच स्नोफ्लेक (Koch snowflake) फ्रैक्टल आकार का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो बार-बार संशोधनों (modifications) के माध्यम से विकसित होता है।
 - **प्रकृति में फ्रैक्टल आयाम:**
 - फ्रैक्टल आयाम किसी आकृति के विकसित होने पर स्थान भरने की क्षमता को मापते हैं।





- उदाहरण के लिए, कोच स्नोफ्लेक का फ्रैक्टल आयाम लगभग 1.26 है।
- मानव उंगलियों के निशान, पेड़ के टूट, घोंघे के गोले और अन्य सहित विभिन्न प्राकृतिक पैटर्न में फ्रैक्टल विशेषता देखी जाती है।

● क्वांटम क्षेत्र में फ्रैक्टल्स:

- फ्रैक्टल्स क्वांटम क्षेत्र में मौजूद हैं, जैसा कि नियोजिमियम निकल ऑक्साइड और ग्राफीन पर अध्ययन से पता चलता है।
- नियोजिमियम निकल ऑक्साइड में चुंबकीय डोमेन एक फ्रैक्टल्स व्यवस्था प्रदर्शित करते हैं।
- सूक्ष्म पैमाने पर ग्राफीन का इलेक्ट्रॉन घनत्व पैटर्न लगभग फ्रैक्टल वितरण प्रदर्शित करता है।

➤ भग्नता के अनुप्रयोग:

● ऐतिहासिक अनुप्रयोग और ब्राउनियन मोशन (Brownian Motion) :

- ब्राउनियन गति का वर्णन करने के लिए फ्रैक्टल विश्लेषण को पहली बार भौतिकी में लागू किया गया था।
- ब्राउनियन गति एक तरल माध्यम में छोटे कणों की यादृच्छिक गति को संदर्भित करती है।

● डेटा संपीड़न और एंटीना डिजाइन (Data Compression and Antenna Design) :

- भंडारण के दौरान छवि आकार को कम करने के लिए डेटा संपीड़न में फ्रैक्टल डिजाइन का उपयोग किया जाता है।
- कॉम्पैक्ट एंटीना डिजाइन प्रदर्शन से समझौता किए बिना फ्रैक्टल डिजाइन का लाभ उठाता है।
- भग्नता का उपयोग आकाशगंगाओं, ग्रहों, बैक्टीरिया संस्कृतियों, क्रोमेटोग्राफी और आयन-विनिमय प्रक्रियाओं में पैटर्न का अध्ययन करने में किया जाता है।

● निहितार्थ और अंतर्दृष्टि:

- फ्रैक्टल्स सिस्टम में एक नए प्रकार के क्रम को प्रकट करते हैं, जो गैर-पूर्णांक आयामों वाले स्थानों के भीतर परिचित आकृतियों में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।
- प्राकृतिक प्रक्रियाओं के साथ अंतःक्रिया स्व-समान संरचनाओं को उजागर करती है जो समय के साथ तेजी से जटिल होती जाती हैं।
- अनुप्रयोग विविध क्षेत्रों तक विस्तारित हैं, नए दृष्टिकोण प्राप्त करने और फ्रैक्टल ज्यामिति के माध्यम से जटिल समस्याओं को हल करने की क्षमता पर जोर देते हैं।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

ओनाटुकारा तिल



हाल ही में केरल के अलाप्पुझा जिले में ओनाटुकारा तिल की खेती का विस्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।
ओनाटुकारा तिल के बारे में:

- केरल कृषि विश्वविद्यालय (केएयू) ने ओनाटुकारा तिल के लिए तीन साल के व्यापक शोध के बाद जनवरी 2023 में जीआई टैग हासिल किया था।
- पारंपरिक आयुर्वेदिक चिकित्सक गठिया के इलाज में ओनाटुकारा तिल का उपयोग करते हैं।
- इसमें विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट, ओलिक एसिड, लिनोलिक एसिड और पामिटोलिक एसिड प्रचुर मात्रा में होता है।
- यह अलाप्पुझा और कोल्लम जिलों में फैले 43 स्थानीय निकायों में 600 हेक्टेयर में उगाया जाता है।
- व्यक्तियों, कुदुम्बश्री समूहों, स्वयं सहायता समूहों और संयुक्त देयता समूहों सहित विभिन्न समूहों को खेती के प्रयासों के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

बीडीएस आंदोलन



हाल ही में, डॉक्यूमेंटा 16 फाइंडिंग कमेटी से रंजीत होसकोटे के इस्तीफे के बाद समिति के सभी सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया।
बीडीएस आंदोलन के बारे में:

- बहिष्कार, विनिवेश, प्रतिबंध (बीडीएस) स्वतंत्रता, न्याय और समानता के लिए फिलिस्तीनी नेतृत्व वाला आंदोलन है।
- बीडीएस (बॉयकॉट डिवेस्टमेंट, सेक्संस) आंदोलन की स्थापना 2005 में 170 से अधिक फिलिस्तीनी समूहों द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य अहिंसक तरीकों से फिलिस्तीनी अधिकारों की वकालत करना था।
- इसका प्राथमिक लक्ष्य यहूदी-विरोधी और इस्लामोफोबिया सहित भेदभाव का विरोध करना है, साथ ही इजराइल पर अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने के लिए दबाव डालना है।
- यह वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम, गाजा और गोलान हाइट्स जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में इजरायली कब्जे को समाप्त करना चाहता है।
- यह इजराइल में अरब-फिलिस्तीनी नागरिकों के लिए पूर्ण मौलिक अधिकारों की मान्यता और फिलिस्तीनी शरणार्थियों के अपने घरों में लौटने के अधिकार की वकालत करता है।

फ्रीमार्टिन






फ्रीमार्टिन के बारे में:

- फ्रीमार्टिन एक बांझ मादा मवेशी है जिसमें पुल्लिंग व्यवहार और अकार्यशील अंडाशय होते हैं।
- यह मादा प्रतीत होती है लेकिन एक नर जुड़वां से एंटी-मुलरियन हार्मोन प्राप्त करने के कारण इसने मादा प्रजनन विकास को बदल दिया है।
- मवेशियों में फ्रीमार्टिन:** फ्रीमार्टिन एक ही गर्भाशय में नर और मादा के जुड़वां गर्भधारण से पैदा हुई बांझ मादा मवेशियों को दर्शाता है।
- फ्रीमार्टिनिज्म का कारण:** यह स्थिति गर्भधारण के दौरान नर और मादा भ्रूणों के बीच रक्त के आदान-प्रदान के कारण उत्पन्न होती है, जिससे वाई गुणसूत्र ले जाने वाली कोशिकाओं का नर जुड़वां से मादा जुड़वां में स्थानांतरण हो जाता है।
- आनुवंशिक गुण और प्रभाव:** फ्रीमार्टिनिज्म को मादा भ्रूण की प्रजनन प्रणाली के अपूर्ण विकास पर वाई क्रोमोसोम के प्रभाव के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अविकसित या गैर-कार्यात्मक प्रजनन पथ होता है।
- कृषि में भूमिका:**
 - कृषि में, किसान फ्रीमार्टिन की पहचान करने के लिए शारीरिक या व्यवहारिक लक्षणों का उपयोग करते हैं, जिससे प्रजनन में असमर्थता के कारण उन्हें प्रजनन झुंड से बाहर रखा जाता है।
 - इस प्रथा का उद्देश्य मवेशियों के झुंडों में समग्र प्रजनन क्षमता को बढ़ाना है।

Face to Face Centres





<p>जेनेटिक चिमेरा/काइमेरा</p> 	<p>हाल के एक अध्ययन में, वैज्ञानिकों ने मकाका फासीक्यूलिस प्रजाति के एक जीवित शिशु काइमेरिक बंदर का सफलतापूर्वक पुनर्जनन करने की सूचना दी है।</p> <p>काइमेरा (Chimaera) के बारे में:</p> <ul style="list-style-type: none"> काइमेरा एक ऐसे जीव को संदर्भित करता है जो विभिन्न आनुवंशिक संरचना या जीनोटाइप वाली कोशिकाओं से बना होता है। काइमेरिज्म विभिन्न प्रजातियों में देखा जाता है, जैसे कि हाफ-साइडर बडगेरिगर, एंगलरफिश और समुद्री स्पंज, जो एक ही जीव के भीतर आनुवंशिक विविधता को प्रदर्शित करते हैं। <p>मानव काइमेरिज्म:</p> <ul style="list-style-type: none"> मानव काइमेरिज्म कोशिकाओं में आनुवंशिक परिवर्तन या युग्मनज के संलयन के कारण होता है, जिससे कई आनुवंशिक संरचना वाले व्यक्तियों का जन्म होता है। यह घटना एकाधिक गर्भधारण, अंग प्रत्यारोपण और रक्त-समूह असमानताओं के मामलों में देखी जाती है। <p>चिकित्सा प्रासंगिकता: काइमेरिज्म की खोज अक्सर चिकित्सा परीक्षणों, अंग प्रत्यारोपणों, प्रसवपूर्व जांचों और मानव आनुवंशिकी की जटिलताओं को समझने के दौरान की जाती है।</p> <p>हाल की प्रगति: सफलताओं में गैर-मानव प्राइमेट्स में भ्रूण स्टेम कोशिकाओं से जीवित काइमेरिक बंदरों का उत्पादन शामिल है, जो बायोमेडिकल अनुसंधान मॉडल के लिए आशाजनक राह दिखाता है।</p> <p>नैतिक चिंताएँ: काइमेरा का निर्माण नैतिक प्रश्न उठाता है, विशेष रूप से मानव अनुप्रयोगों के संबंध में, जिस पर सावधानीपूर्वक विचार और विनियमन की आवश्यकता होती है।</p>
<p>समाचारों में स्थान</p> <p>इंडोनेशिया</p>	<p>हाल ही में, 500 से अधिक रोहिण्या शरणार्थी म्यांमार से इंडोनेशिया पहुंचे।</p> <p>इंडोनेशिया (राजधानी: जकार्ता)</p> <p>अवस्थिति:</p> <ul style="list-style-type: none"> इंडोनेशिया 17,000 से अधिक द्वीपों वाला दुनिया का सबसे बड़ा द्वीपसमूह राज्य है, जो हिन्द और प्रशांत महासागरों के बीच दक्षिण पूर्व एशिया और ओशिनिया में स्थित है। <p>भूमि सीमाएँ: इंडोनेशिया अपनी भूमि सीमाएँ मलेशिया (बोर्नियो और सेबाटिक पर), पापुआ न्यू गिनी (न्यू गिनी पर) और पूर्वी तिमोर (तिमोर पर) के साथ साझा करता है।</p> <p>समुद्री सीमाएँ: यह सिंगापुर, मलेशिया, वियतनाम, फिलीपींस, पलाऊ और ऑस्ट्रेलिया के साथ अपनी समुद्री सीमाएँ साझा करता है।</p> <p>भौतिक विशेषताएँ:</p> <ul style="list-style-type: none"> इंडोनेशिया की सबसे ऊंची चोटी पुनकक जया है, सबसे बड़ी झील टोबा झील है और महत्वपूर्ण पर्वत माउंट सेमेरू और माउंट ब्रोमो है। यह ज्वालामुखी गतिविधियान का सामना भी करता है। 
<p>समाचार में व्यक्तित्व</p> <p>रानी लक्ष्मीबाई</p>	<p>हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने भारतीय नारी शक्ति की प्रतीक रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।</p> <p>रानी लक्ष्मीबाई (19 नवंबर 1828-18 जून 1858):</p> <ul style="list-style-type: none"> रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर, 1828 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मणिकर्णिका तांबे के रूप में हुआ था। रानी लक्ष्मीबाई, जिन्हें झांसी की रानी के नाम से भी जाना जाता है, उत्तर प्रदेश में झांसी रियासत की एक बहादुर शासिका थीं। वह 1857 के भारतीय विद्रोह में सक्रिय रूप से शामिल हुईं, ब्रिटिश शासन का विरोध किया और उपनिवेशवाद के खिलाफ प्रतिरोध का प्रतीक बन गईं। 1857 के भारतीय विद्रोह के दौरान, लक्ष्मीबाई ने झांसी की रक्षा करते हुए ब्रिटिश सैनिकों का विरोध किया। उनकी बहादुरी और देशभक्ति की विरासत ने पीढ़ियों को प्रेरित किया, जिसके कारण उनके सम्मान में कई संस्थानों का नाम रखा गया। उनके पति की मृत्यु के बाद, अंग्रेजों ने झांसी पर कब्जा करने के लिए 'डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स' को लागू करते हुए, दत्तक पुत्र को उत्तराधिकारी के रूप में मान्यता देने से इनकार कर दिया। 

POINTS TO PONDER

- ❖ '9वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) 2023' का मेजबान कौन सा राज्य है? - हरियाणा
- ❖ खबरों में देखा गया 'स्टॉपगैप खर्च बिल' ('Stopgap spending bill') किस देश से संबंधित है? - यूएसए
- ❖ कौन सी संस्था वार्षिक ग्रीनहाउस गैस बुलेटिन जारी करती है? - विश्व मौसम विज्ञान संगठन
- ❖ हाल ही में किस राज्य ने हलाल प्रमाणित उत्पादों पर राज्यव्यापी प्रतिबंध लगाया है? - उत्तर प्रदेश
- ❖ किस भारतीय को पुरुषों के 'वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर' पुरस्कार के लिए चुना गया है? - नीरज चोपड़ा

Face to Face Centres

